Now, Shri Naresh Bansal on 'Demand to approve the plan for expansion of AIIMS, Rishikesh in Uttarakahand'.

Demand to approve the plan for expansion of AIIMS, Rishikesh in Uttarakahand

श्री नरेश बंसल (उत्तराखंड): उपसभापति महोदय, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर मां गंगा के तट पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की सरकार से उत्तराखंड को मिला था। एम्स ऋषिकेश की नींव 2 फरवरी, 2004 को रखते हुए तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्रीमती सुषमा स्वराज जी ने कहा था कि भविष्य में एम्स ऋषिकेश राज्यवासियों के लिए वरदान साबित होगा, आज यह सच हो रहा है। एम्स ऋषिकेश को स्वास्थ्य सेवाओं, अनुसंधान तथा प्रशिक्षण में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया था। 27 मई, 2013 से यहां ओपीडी की सुविधा शुरू हो गई। इसके 8 महीने बाद 30 दिसंबर, 2013 में आईपीडी और फिर 2 जून, 2014 से सर्जरी शुरू होने से उत्तराखंड के अलावा अन्य राज्यों के मरीजों ने भी एम्स ऋषिकेश पहुंचना शुरू कर दिया। विषम भौगोलिक स्थिति वाले इस पहाड़ी राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए एम्स ऋषिकेश के डॉक्टर्स प्रत्येक अवसर पर दृढ़ संकल्पित नज़र आए। अपनी स्थापना के बाद से एम्स ऋषिकेश एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें वर्तमान में विभिन्न पाठ्यक्रमों में 1,030 छात्र-छात्राएं हैं। एम्स ऋषिकेश अब कई चिकित्सा और संबद्ध पाठ्यक्रम चलाता है। इन गतिविधियों का मार्गदर्शन 200 से अधिक संकाय सदस्यों द्वारा किया जाता है। नियमित बाह्य रोगी क्लीनिकों में बढ़ती संख्या के साथ-साथ 91 विशेष क्लीनिक जोड़े गए हैं। इसी तरह 2013 में 200 बिस्तर वाले अतिरिक्त आंतरिक रोगी सुविधा से बढ़कर अब इसकी क्षमता 960 बिस्तर की है। जैसे-जैसे एम्स में स्वास्थ्य सुविधाएं और मेडिकल तकनीक विकसित होती गई, वैसे-वैसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी होती गई। कोरोना महामारी के दौरान, जब करोना संक्रमित व्यक्ति के पास जाने में लोग भयभीत होने लगे थे, उस दौरान भी एम्स के चिकित्सकों ने फ़र्ज़ निभाते हुए कोरोना संक्रमितों का जी-जान से इलाज किया।

देहरादून जिले के ऋषिकेश में स्थित एम्स आज न सिर्फ उत्तराखंड के गढ़वाल, कुमाऊँ मंडल, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश तक के लोगों को अपनी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। एम्स ऋषिकेश पर अतिरिक्त दबाव होते हुए भी लोगों को बेहतर व त्वरित इलाज मिल सके, इसके लिए आवश्यकता है एम्स ऋषिकेश के विस्तारीकरण की तथा यहां मेडिकल एवं व नर्सिंग स्टाफ की सीट्स बढ़ाने की, जिससे यह दबाव कम हो सके और सभी को समय पर अच्छा इलाज मिल सके। अत: मैं सदन के माध्यम से आपके द्वारा यह निवेदन करता हूं कि इसका विस्तारीकरण किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Naresh Bansal: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Mahendra Bhatt (Uttarakhand), Dr. Bhim Singh (Bihar), Shri Niranjan

Bishi (Odisha), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh) and Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand).

Thank you, Naresh Bansal*ji*. Now, Shri Debashish Samantaray on 'Demand to provide strategic support to IT companies for the growth of IT Sector in Odisha'.

Demand to provide strategic support to IT companies for the growth of IT Sector in Odisha

SHRI DEBASHISH SAMANTARAY (Odisha): Sir, I will start with the IT journey in Odisha. Twenty years back, the NIC was brought to Odisha by the then Chief Minister, hon. Sri Naveen Patnaik, my leader. And, from there, the journey started. Infrastructure to bring in IT companies was laid out, a master plan was made. Due to that master plan, I am proud to say, Bhubaneswar became the number one smart city of our country. As we start this journey, Odisha is emerging as the new IT hub of India. With a huge talent pool, favourable and hassle-free business environment and political stability, Odisha is well poised to be the sought after IT destination in the country. This political stability was, of course, due to Naveen Babu's 24 years of governance. This was the effort by the then Chief Minister where a personal initiative was taken to go to all the top IT companies in Bombay, in Bangalore and Hyderabad. We got TCS; we got two campuses of Infosys, Wipro and Tech Mahindra. Now, as the hon. Minister of IT is from Odisha, who has been a bureaucrat also in our State, so he understands. He was the Collector in Cuttack. I urge, and I request through you, Sir, that Odisha needs a strategic support not only to become the hub of Eastern India in IT, but also the hub of IT in the whole of India. If you see our talent pool from Odisha, there are lakhs in numbers in Bangalore, Hyderabad, Pune, Bombay and Kolkata. So, we have the natural talent pool in our State. Therefore, lastly, I again humbly request our Minister to give priority to support IT in Odisha. Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Debashish Samantaray: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Muzibulla Khan (Odisha), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Shrimati Mahua Maji (Jharkhand).

The next speaker is Shri Baburam Nishad; demand to construct a dam on Betwa River in Hamirpur district of Uttar Prades; not present. The next speaker is Shri